लोक साहित्य

Open Elective Course						
Course Code	Course Title	L	T	P	CH	CR
UHND0O004T	लोक साहित्य	3	1	0	4	4

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन से

- लोक साहित्य के अर्थ,स्वरूप और परिभाषा से परिचित हो सकेंगे।
- लोक साहित्य के महत्व से परिचित होंगे।
- विभिन्न भाषाओं के लोक साहित्य से परिचय होगा।
- लोक साहित्य का समाज निर्माण में योगदान से परिचित होंगे।
- लोक संवेदना से जुड़ाव महसूस कर सकेंगे।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई. 1 लोक साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप :

लोक साहित्य : परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, विशेषताएँ, महत्व और योगदान, लोक साहित्य और संस्कृति, शिष्ट साहित्य और लोक साहित्य।

इकाई. 2 डोगरी लोक साहित्य एवं कश्मीरी लोक साहित्य :

डोगरी लोक साहित्य :

बाबल! इक मेरा कैहना कीजिए, रांझा मंगदा डेरा जी (लोक गीत)।

कश्मीरी लोक साहित्य :

परियों के देश में, और नदी शांत हो गई, हायबंद और जोहरा खातून (लोक कथाएँ)।

इकाई. 3 हरियाणवी लोक साहित्य एवं पंजाबी लोक साहित्य :

हरियाणवी लोक साहित्य : कलयुग, जीवन की रेल (लोक गीत)।

पंजाबी लोक साहित्य : सोहनी महीवाल, सस्सी पन्नू, अक्लमन्द वजीर शहजादा (लोक कथाएँ)।

इकाई. 4 अवधी लोक साहित्य एवं कुमाऊँनी लोक साहित्य:

अवधी लोक साहित्य :

बाबा निमिया के पेड़ जिनि कटेउ, पूरब से आई रेलिया पछिउं से आई जहजिया (लोक गीत)।

राजुला मालुसाही, काफल पाक्को मैं नि चाखों, बीरुड़ पंचमी और सातूं-आठूं (लोक कथाएँ) ।

इकाई. 5 भोजपुरी लोक साहित्य एवं मैथिलि लोक साहित्य :

भोजपुरी लोक साहित्य: भिखारी ठाकुर ग्रंथावली (शिलानाथ ठाकुर, गौरीनाथ ठाकुर)।

डगरिया जोहत ना, बीतत बाटे आठ पहरिया हो, पियवा गइल कलकातावा ए सजनी ! (लोक गीत)।

मैथिली लोक साहित्य :

बाल बसंत, मिथिलांचल किछु (लोक कथाएँ)।

Ramesh Kumar Yadav

प्रो. भारत भूषण / Prof. Bharat Bhushan
आचार्य / Professor
हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
Department of Hindi & Other Indian Languages
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Jammu

Scanned with OKEN Scanner

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. लोक साहित्य की भूमिका: कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
3. लोक का आलोक: सं. पीयूष दहिया
5. लोक-साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा: मनोहर शर्मा
6. लोक-साहित्य के प्रतिमान: डॉ. कुन्दन लाल उप्रेति
7. डुग्गर का लोक साहित्य: शिव निर्मोही,
8. डोगरी लोक साहित्य : (सं.) नन्द किशोर पाण्डेय, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
9. गीत धरा अम्बर के : ओमप्रकाश गुप्त, आशीष प्रकाशन,दिल्ली
10. कश्मीर का लोक साहित्य : मोहन कृष्ण धर, आत्मा राम एंड संस, दिल्ली
11. अवधी तथा कश्मीरी लोक गीतों में लोक तत्व : बीना बुदकी, चिनार पब्लिकेशंस, जम्मू
13. हमारा कुमाऊँ : प्रभा पन्त, आधारशिला प्रकाशन, नैनीताल
14. कश्मीरी इतिहास और संस्कृति : कुसुमभूरिया दत्ता, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली

प्रो. भारत भूषण / Prof. Bharat Bhushan
आचार्य / Professor
हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
Department of Hindi & Other Indian Languages
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Jammu

Ranjan Kumar Yadav

Scanned with OKEN Scanner